Dainik Bhaskar (Indore), 03rd February 2024, Page – 19

एआई आधारित पोर्टेबल मशीन से एग्रीकल्चर क्षेत्र को मिलेगी गति

चावल के साइज और रंग से गुणवत्ता बताएगी IIT में तैयार हुई मशीन

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर्स और स्टूडेंट्स ने एक ऐसी मशीन बनाई है जिससे एग्रीकल्चर क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पोर्टेबल मशीन की खासियत यह है कि इससे चावल के दानों के साइज को चेक कर सकते हैं। इसके शेप, कलर और टैक्सचर से चावल की गुणवत्ता का भी पता कर सकते हैं।

जिस भी तरह के चावल को अलग करना है उसके लिए इसे फिल्टर के रूप में उपयोग किया जा सकता है। मशीन में ऐसे अल्गोरिदम लगाए गए हैं जिसमें हजारों वैरायटी के चावल का डेटा संग्रहित किया गया है। इससे किसी भी तरह के चावल की पहचान की जा सकती है। आईआईटी के प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार कांकर और डॉ. अंकुर मिगलानी ने शुक्रवार को एसजीएसआईटीएस में इसका लाइव डेमो दिया। स्टूडेंट्स को बताया गया कि इससे किसानों के साथ ही आम इंसान को फायदा मिलेगा। चावल की गुणवत्ता अब कोई भी आसानी से कर सकेगा।

संस्थान की आईटी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. वंदना तिवारी ने बताया कि बीई थर्ड ईयर और एमटेक करने वालों

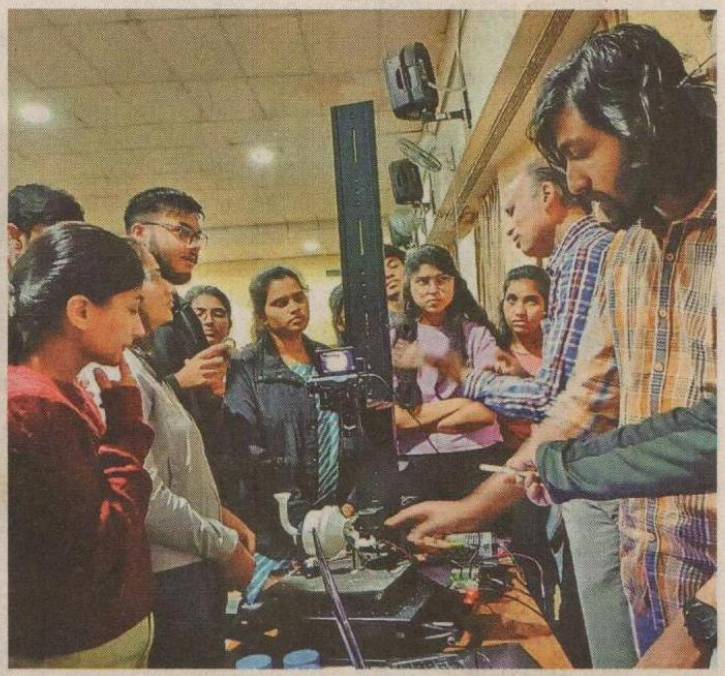

के लिए यह रिसर्च महत्वपूर्ण है। इसके आधार पर स्टूडेंट्स नए प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। एग्रीकल्चर क्षेत्र में नए इनोवेशन करके समाज को फायदा पहुंचा सकते हैं।

नकली चावल जांच भी संभवः प्लास्टिक के चावल को लेकर भी कई बार परिवारों को डर रहता है कि कहीं वे इसका सेवन तो नहीं कर रहे। इसकी जांच भी पोर्टेबल डिवाइस से आसानी से की जा सकेगी। प्रोफेसर्स का कहना है कि सेंसर बेस्ड इस तरह के कई और उपकरणों पर काम चल रहा है। शहर के अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों को भी हम समाज को फायदा पहुंचाने वाली रिसर्च करने के लिए मदद कर रहे हैं ।